गायत्री चक्र

वर्णाक्षर	ऋषि	छन्द	देवता	शक्ति	वर्णरूप	तत्व	मुद्रा	कला	फलम्	पापहरफलम्	
तत्	वामदेव	गायत्री	अग्नि	वामदेवी	चम्पा	पृथ्वी	सुमुख	तपनी	आयुष्यम्	अज्ञानदोषहरम्	ॐ त कारपादाङ्गुष्ठाभ्याम
स	अत्री	उष्णिक्	प्रजापति	प्रिया	अतसीपुष्प	जल	संपुट	सकली	आरोग्यम्	उपपातकहरम्	ॐ स कारगुल्फ द्वयोः
वि	वशिष्ठ	अनुष्टुप्	चन्द्रमा	सत्या	मूंगा	तेज	वितत	विश्वा	ऐश्वर्यदम्	महापातकहरम्	ॐ वि कारंजङ्घद्वयो
तु	शुक्र	वृहती	ईशान	विश्वा	स्फटिक	वायु	विस्तृत	तुष्टा	धनदम्	दुष्टग्रहदोषहरम्	ॐ तु कारजानुःद्वयो
र्व	कण्व	पंक्ति	सूर्य	भद्रविलास	कमल पुष्प	आकाश	द्विमुख	वरदा	कामदम्	भ्रूणहत्यादोषहरम्	ॐ र्व कारंउर्वोद्वयो
रे	परासर	त्रिष्टुप्	सूर्य	प्रभावती	तरुणसूर्य	गन्ध	त्रिमुख	रेवती	विद्यादम्	अगम्यागमनहरम्	ॐ रे कारं गुदद्वारे
णी	विश्वामित्र	जगती	बृहस्पति	जय	श्वेतशंख	रस	चर्तुमुख	सूक्ष्मा	कामदम्	अभक्षभक्षहरम्	ॐ णि कारं लिंगे
यम्	कपिल	शक्वरी	मित्रावरुण	शान्ता	रक्त कमल	रूप	पंचमुख	ज्ञाना	धनदम्	पुरुषहत्याहरम्	ॐ यं कारं कटिद्वये
भ	शौनक	अतिशक्वरी	भग	कान्ता	पद्मराग	शब्द	षष्टमुख	भर्गा	सन्ततिदम्	गोहत्याहरम्	ॐ भ कारं नाभौ
र्गो	याज्ञवल्क्य	धृति	ईश्वर	दुर्गा	इन्द्रनीलमणि	स्पर्श	अधोमुख	गोमती	अभीष्टदम्	स्त्रीहत्याहरम्	ॐ र्गो कारं उदरे
दे	भरद्वाज	अतिधृति	गणेश	सरस्वती	मोती	वायु	[illegible]	दर्विका	इष्टकन्यादम्	एनसदोषहरम्	ॐ दे कारं स्तनयोःद्वयोः
व	जमदग्नि	विराट्	त्वष्ट्रा	विद्रुमा	कुंकुम	पाद	शटकम्	वरा	कान्तिदम्	फयरादोषहरम्	ॐ व कारं हृदये
स्य	गौतम	प्रस्तामर	पौष्ण	विशालेशा	गाजल	हस्त	[illegible]	सिद्धान्ता	चितितसीदम्	पितृमातृदोषहरम्	ॐ स्य कारं कण्ठे
धी	मुद्गल	पङ्क्ति	इन्द्राग्नी	व्यापिनी	रक्तचन्दन	मुख	ग्रथितम्	ध्यान	कीर्तिदायम्	पूर्वनीतपापहरणम	ॐ धी कारं मुखे
म	वेदव्यास	कृति	वायु	विमला	वैदूर्य	नासिका	उन्मुखोन्मुख	मर्यादा	सौभाग्यदम्	सर्वपापहरम्	ॐ म कारं तालुदेशे
हि	लोमस	प्रकृति	वामदेव	तमोपहारिणी	मधु	प्राण	प्रलम्ब	स्फुटा	अभीष्टसिद्दिदम्	प्रतिदोषहरम्	ॐ हि कारं नासाग्रे
धि	अगस्त्य	आकृति	मैत्रावरुणि	सूक्ष्मा	दुग्धश्वेत	जिह्वा	मुष्टिकम्	बुद्धि	त्रैलोक्यभोगदम्	प्रयस्वक्षेपहरम्	ॐ धि कारंनेत्रयोर्द्वयो
यो	कौशिक	विकृति	विश्वेदेव	विश्वयोनि	हलेदो	चक्षुः	मत्स्यः	योगमातर	पराक्रमदम्	मनःसर्वपापहरम्	ॐ यो कारं भ्रुमध्ये
यो	वत्स	संकृति	मातृक	जया	सूर्यकान्तमणि	त्वचा	कूर्म	योगांतर	देवप्राप्तिकरम्	इन्द्रपदप्राप्तिकरम्	ॐ यो कारं ललाटे
नः	पुलस्त्य	अक्षरपंक्ति	विष्णु	वशा	हरित	श्रोत	वराहकम्	पृथ्वी	त्रैलोक्दम्	विष्णुपदप्राप्तिःदम्	ॐ नः कारं पूर्वमुखे
प्र	माण्डुक	भूः	वसुदैवत	पद्मालया	कमल	प्राण	सिंहाक्रान्त	प्रभवा	परानुग्रहदम्	रुद्रपदप्राप्तिकरम्	ॐ प्र कारं दक्षिणमुखे
चो	दुर्वासा	भुवः	रुद्र	परासोमा	केतकी	अपान	महाक्रान्त	उष्मा	तेजसोऽप्रतिदम्	ब्रह्मपदप्राप्तिः	ॐ चो कारं पश्चिममुखे
द	नारद	स्वः	कुवेर	भद्रा	मल्लिका	व्यायान	मुद्गरम्	दिध्यामानं	स्वर्गप्रदम्	[illegible]	ॐ द कारं उत्तरमुखे
यात्	कश्यप	ज्योतियमति	[illegible]	विपदा	कनेरपुष्प	समान	पल्लवम्	निरंजनं	सर्वलोकप्रदम्	सर्वव्यापित्वम	ॐ य कारं शिरसि

माधवप्रसाद आत्रेय
सङ्कलन तथा प्रकाशक

गायत्री चक्र

वर्णाक्षर	ऋषि	छन्द	देवता	शक्ति	वर्णरूप	तत्त्व	मुद्रा	कला	फलम्	पापहरफलम्	
तत्	वामदेव	गायत्री	अग्नि	वामदेवी	चम्पा	पृथ्वी	सुमुख	तपिनी	आयुष्यम्	अज्ञानदोषहरम्	ॐ त कारपादाङ्गुष्ठाभ्याम्
स	अत्री	उष्णिक्	प्रजापति	प्रिया	अतसीपुष्प	जल	संपुट	सकला	आरोग्यम्	उपपातकहरम्	ॐ स कारगुल्फ द्वयोः
वि	वशिष्ठ	अनुष्टुप्	चन्द्रमा	सत्या	मूंगा	तेज	वितत	विश्वा	ऐश्वर्यदम्	महापातकहरम्	ॐ वि कारंजङ्घद्वयो
तु	शुक्र	वृहती	ईशान	विश्वा	स्फटिक	वायु	विस्तृत	तुष्टा	धनदम्	दुष्टग्रहदोषहरम्	ॐ तु कारजानुःद्वयो
र्व	कण्व	पंक्ति	सूर्य	भद्रविलास	कमल पुष्प	आकाश	द्विमुख	वरदा	कामदम्	भ्रूणहत्यादोषहरम्	ॐ र्व कारंउर्वोद्वयो
रे	परासर	त्रिष्टुप्	सूर्य	प्रभावती	तरुणसूर्य	गन्ध	त्रिमुख	रेवती	विद्यादम्	अगम्यागमनहरम्	ॐ रे कार गुदद्वारे
णी	विश्वामित्र	जगती	बृहस्पति	जय	श्वेतशंख	रस	चर्तुमुख	सूक्ष्मा	कामदम्	अभक्ष्यभक्षहरम्	ॐ णि कार लिंगे
यम्	कपिल	शक्वरी	मित्रावरुण	शान्ता	रक्त कमल	रूप	पंचमुख	ज्ञाना	धनदम्	पुरुषहत्याहरम्	ॐ यं कार कटिद्वये
भ	शौनक	अतिशक्वरी	भग	कान्ता	पद्मराग	शब्द	षट्मुख	भर्गा	सन्ततिदम्	गोहत्याहरम्	ॐ भ कार नाभौ
र्गो	याज्ञवल्क्य	धृति	ईश्वर	दुर्गा	इन्द्रनीलमणि	स्पर्श	अधोमुख	गोमती	अभीष्टदम्	स्त्रीहत्याहरम्	ॐ र्गो कार उदरे
दे	भरद्वाज	अतिधृति	गणेश	सरस्वती	मोती	वायु	[illegible]	दर्विका	इष्टकन्यादम्	एनसदोषहरम्	ॐ दे कार स्तनयोःद्वयोः
व	जमदग्नि	विराट्	त्वष्ट्रा	विद्रुमा	कुंकुम	पाद	शकटम्	वरा	कान्तिदम्	फयरादोषहरम्	ॐ व कार हृदये
स्य	गौतम	प्रस्तामर	पौष्णा	विशालेशा	गाजल	हस्त	यमपाशम्	सिद्धान्ता	चिंतितसीदम्	पितृभ्रातृदोषहरम्	ॐ स्य कार कण्ठे
धी	मुद्गल	पङ्क्ति	इन्द्राग्नी	व्यापिनी	रक्तचन्दन	मुख	ग्रथितम्	ध्यान	कीर्तिदायम्	पूर्वनीतपापहरणम	ॐ धी कार मुखे
म	वेदव्यास	कृति	वायु	विमला	वैदूर्य	नासिक	उन्मुखोन्मुख	मर्यादा	सौभाग्यदम्	सर्वपापहरम्	ॐ म कार तालुदेशे
हि	लोमस	प्रकृति	वामदेव	तमोपहारिणी	मधु	प्राण	प्रलम्ब	स्फुटा	अभीष्टसिद्धिदम्	प्रतिदोषहरम्	ॐ हि कार नासाग्रे
यि	अगस्त्य	आकृति	मैत्रावरुणि	सूक्ष्मा	दुग्धश्वेत	जिह्वा	मुष्टिकम्	बुद्धि	त्रैलोक्यभोगदम्	प्रयस्वक्षेपहरम्	ॐ धि कारनेत्रयोर्द्वयो
यो	कौशिक	विकृति	विश्वेदेव	विश्वयोनि	हलेदो	चक्षुः	मत्स्यः	योगमातर	पराक्रमदम्	मनःसर्वपापहरम्	ॐ यो कार भ्रूमध्ये
यो	वत्स	संकृति	मातृक	जया	सूर्यकान्तमणि	त्वचा	कूर्म	योगांतर	देवप्राप्तिकरम्	इन्द्रपदप्राप्तिकरम्	ॐ यो कार ललाटे
नः	पुलस्त्य	अक्षरपंक्ति	विष्णु	वशा	हरित	श्रोत	वराहकम्	पृथ्वी	त्रैलौक्दम्	विष्णुपदप्राप्तिःदम्	ॐ नः कार पूर्वमुखे
प्र	माण्डुक	भूः	वसुदैवत	पद्मालया	कमल	प्राण	सिंहाक्रान्त	प्रभवा	परानुग्रहदम्	रुद्रपदप्राप्तिकरम्	ॐ प्र कार दक्षिणमुखे
चो	दुर्वासा	भुवः	रुद्र	पराशोभा	केतकी	अपान	महाक्रान्त	उष्मा	तेजसोऽतिदम्	ब्रह्मपदप्राप्तिः	ॐ चो कार पश्चिममुखे
द	नारद	स्वः	कुवेर	भद्रा	मल्लिका	व्यायान	मुद्गरम्	दिध्यामानं	स्वर्गप्रदम्	[illegible]	ॐ द कार उत्तरमुखे
यात्	कश्यप	ज्योतियमति	अश्विनीकुमार	विपदा	कनेरपुष्प	समान	पल्लवम्	निरंजनं	सर्वलोकप्रदम्	सर्वव्यापित्वम	ॐ य कार शिरसि

माधवप्रसाद आत्रेय
सङ्कलन तथा प्रकाशक